अभ्यास

मौखिक प्रश्न

उत्तर दीजिए।

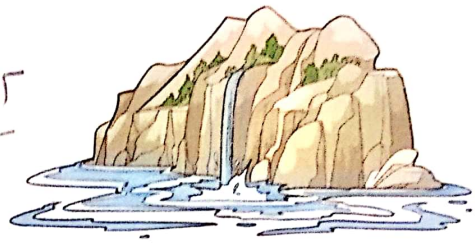

क. शिकायतें किसके विरुद्ध की गई थीं? हवा और पानी

ख. पानी की मनमानी क्या है? कहीं बरसना, कहीं न बरसना

ग. वर्षा न होने का प्रमुख कारण क्या है? वनों का नष्ट होना

घ. जब हवा चलना बंद हो जाती है, तब कैसा महसूस होता है? घुटन

लिखित प्रश्न

1. सही उत्तर पर ✓ लगाइए।

क. फसलों को नुकसान किससे पहुँचता है?

☐ हवा से ☐ पानी से ☑ पॉलिथीन से

ख. पानी सदा किस ओर बहता है?

☑ ढलान की ओर ☐ ऊँचाई की ओर ☐ मैदानों की ओर

2. रिक्त स्थानों को भरिए।

क. लोग पहले की तरह ___पानी___ की रखवाली नहीं करते।

ख. पशु अपनी ___गंदगी___ तालाब में ही छोड़ देते हैं।

ग. आजकल हवा में ___खुशबू___ नहीं होती।

घ. गंदगी के ढेर न लगाएँ, ___सफ़ाई___ रखें।

ङ. लोगों ने पहाड़ से ___वृक्ष___ साफ़ कर दिए हैं।

Scanned with CamScanner

3. किसने कहा? किससे कहा?

	किसने कहा?	किससे कहा?
क. "मैं एकदम निर्मल हूँ।"	पानी ने	महाराज से
ख. "सभी शिकायतें हवा और पानी के बारे में हैं।"	मंत्री ने	महाराज से
ग. "चलना मेरा काम है।"	हवा ने	आदमी से
घ. "लोगों को सफ़ाई की आदत अपनानी होगी।"	महाराज ने	लोगों से

4. गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

हवा—महाराज, यह आरोप झूठा है। बदबू के कारण तो मेरा जीना कठिन हो गया है। अपने-आप में मेरे पास न तो खुशबू है, न बदबू। पहले ऐसा नहीं होता था पर, आजकल ये लोग मरे हुए पशु-पक्षियों को यहाँ-वहाँ डाल देते हैं। उनके कारण मैं बदबूवाली हो जाती हूँ। इनके कारखानों से निकली गंदगी और गैसें मुझमें घुल जाती हैं और यह बदबू दूर-दूर तक फैलती रहती है।

क. आरोप किस पर लगाया गया था?
आरोप हवा पर लगाया गया है।

ख. बदबू के कारण किसका जीना कठिन हो गया है?
बदबू के कारण हवा का जीना कठिन हो गया है।

ग. हवा बदबूवाली कैसे हो जाती है?
मरे हुए पशु-पक्षियों को यहाँ-वहाँ डाल देने से हवा बदबू

घ. बदबू दूर तक कैसे फैलती है? बासी हो जाती है।
कारखानों से निकली गंदगी और गैसें हवा में घुल जाती है और
यह बदबू दूर तक फैलती है।

5. उत्तर लिखिए।

क. पानी से लोगों की पहली शिकायत क्या थी?
Page No - 22

ख. पानी के अनुसार उसे गंदा कौन करता है, और कैसे?
पानी के अनुसार उसे लोग ही गंदा करते हैं क्योंकि -
Page No - 22

ग. हवा से लोगों को क्या शिकायतें थीं? हवा से लोगो को दो शिकायतें थी -
1- आजकल हवा मे खुशबू नहीं होती।
2- हवा आंधी बनकर क्यों आती है।

Scanned with CamScanner

घ. हमें हवा और पानी के प्रति कैसा रुख अपनाना चाहिए?

page No - 24

6. **उत्तर विस्तार से अभ्यासपुस्तिका में लिखिए।**

क. पानी के प्रदूषित होने का क्या कारण है? इसे प्रदूषणमुक्त किस प्रकार रखा जा सकता है?

ख. हवा ने वायु प्रदूषण के लिए किसे ज़िम्मेदार ठहराया है? कैसे?

7. **सुनो और लिखो।**

सिंहासन शिकायत बीमारियाँ ढलान अनुकूल ज़िम्मेदार लुढ़कना खुशबू थैलियाँ

सोचो और बताओ

यदि लोग साफ़-सफ़ाई की आदत न अपनाएँ, तो क्या होगा?

यदि लोग साफ़-सफ़ाई की आदत न अपनाएं तो चारो ओर अस्वच्छता फैल जाएगी और मानव का जीवन संकट में पड़ जाएगा।

भाषा बोध

1. **दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए।**

क. दरबारी	दरबारीगण	ख. विद्यार्थी	विद्यार्थीगण
ग. भक्त	भक्तजन	घ. गुरु	गुरुजन
ङ. युवा	युवावर्ग	च. मज़दूर	मजदूरवर्ग
छ. मित्र	मित्रगण	ज. श्रमिक	श्रमिकवर्ग

गण, जन और वर्ग का प्रयोग बहुवचन बनाने के लिए किया जाता है।

2. **दिए गए शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए।**

क. निर्मल	निर्मलता	ख. भला	भलाई
ग. पशु	पशुता	घ. चलना	चलाई
ङ. चढ़ना	चढ़ाई	च. शहर	शहरी

Scanned with CamScanner

3. दिए गए शब्दों के विलोम रूप लिखिए।

क. बदबू — खुशबू

ख. दोस्त — दुश्मन

ग. भला — बुरा

घ. गाँव — शहर

ङ. जवाब — प्रश्न

च. अनुकूल — प्रतिकूल

4. उपसर्ग तथा मूल शब्द को अलग-अलग करके लिखिए।

क. अनुकूल — अनु + कूल

ख. निर्मल — निर् + मल

ग. उपयोगी — उप + योगी

घ. बदबू — बद + बू

ङ. खुशबू — खुश + बू

च. संभव — सम् + भव

5. दिए गए शब्दों के पर्यायवाची रूप लिखिए।

क. वृक्ष — तरु, पेड़

ख. पहाड़ — गिरी, पर्वत

ग. हवा — वायु, पवन

घ. पानी — नीर, जल

ङ. नदी — तटिनी, सरिता

च. तालाब — जलाशय, सरोवर

6. दिए गए वाक्यांशों के लिए पाठ में से ढूँढ़कर एक शब्द लिखिए।

क. न्यायालय में गया विवादास्पद विषय — मुकदमा

ख. राजाओं का स्वर्णनिर्मित आसन — सिंहासन

ग. दरबार में शामिल होने वाले सदस्य — दरबारीगण

घ. किसी कार्य को करने की प्रक्रिया — कार्यवाही

सुनना और बोलना

Scanned with CamScanner

पाठ - 3

मुकदमा - हवा - पानी का

प्र०6(क) पानी के प्रदूषित होने का क्या कारण है? इसे प्रदूषणमुक्त किस प्रकार रखा जा सकता है?

उत्तर — पानी के प्रदूषित होने के कारण निम्नलिखित है —

1 - कृषि क्षेत्र में अनुचित गतिविधियाँ।
2 - जहाजों से होने वाला तेल का रिसाव।
3 - ग्लोबल वार्मिंग।
4 - औद्योगिक कूड़ा।
5 - सामाजिक और धार्मिक रीति - रिवाज, जैसे पानी में राख का बहाने, नहाने, कचरा फेंकने।

इसे प्रदूषणमुक्त रखने के उपाय — जल प्रदूषण का सबसे अच्छा समाधान है, इसे न होने देना इसके लिए निम्न उपाय हैं —

1 - पानी के रास्ते और समुद्री तटों की सफाई।
2 - प्लास्टिक जैसे जैविक तौर पर नष्ट न होने वाले पदार्थों का इस्तेमाल न करें।
3 - जल प्रदूषण को कम करने के तरीकों पर काम करें।

Scanned with CamScanner

प्र० 6 (ख) · हवा ने वायु प्रदूषण के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया है? कैसे?

उत्तर :— हवा ने वायु प्रदूषण के लिए लोगो को जिम्मेदार ठहराया है क्योंकि लोग मरे हुए पशु-पक्षियो को यहाँ-वहाँ डाल देते हैं जिससे हवा बदबू वाली हो जाती है। कारखानो से निकली गंदगी भी हवा को प्रदूषित करती है। अत: हवा को प्रदूषित करने मे लोगो की ही भागीदारी है।

Scanned with CamScanner

ानी महाराज की जय हो।

हाराज पानी, तुमसे इन लोगों को शिकायत है। यदि शिकायत सच साबित हुई, तो तुम्हें दंडित किया जाएगा।

नी महाराज, मुझे नहीं मालूम कि ये लोग मुझसे क्यों नाराज़ हैं। मैं एकदम निर्मल हूँ, महाराज!

त्री महाराज, लोगों की पहली शिकायत यह है कि पानी अब निर्मल नहीं रहा है। नदियों और नहरों में बहते समय गंदगी और बीमारियाँ अपने साथ बहाकर सब जगह पहुँचा देता है।

नी महाराज, ये लोग पहले की तरह पानी की रखवाली नहीं करते हैं। पशुओं को जोहड़ के भीतर तैरने देते हैं। पशु अपनी गंदगी तालाब में ही छोड़ देते हैं। गाँव की दूसरी गंदगी भी तालाब में फेंक दी जाती है। नदियों में, कारखानों की गंदगी व शहर के गंदे नाले का पानी छोड़ा जाता है। महाराज, मैं अपने-आप गंदा नहीं होता।

ाराज (लोगों से), फिर आपके पास इसका क्या जवाब है?
(लोग आपस में फुसफुसाकर बातें करते हैं। फिर, उनमें से एक बोलता है।)

ला महाराज, यह तो मान लिया। पर कहीं बरसना, कहीं नहीं बरसना, यह तो इस पानी की मनमानी है।

नी नहीं महाराज, मेरी मरजी कहाँ चलती है। जिधर ढलान हो, जहाँ का माहौल अनुकूल हो, वहाँ मुझे जाना ही पड़ता है। इन लोगों ने पहाड़ियों को काटकर वहाँ मैदान बना दिए हैं। वन नष्ट कर दिए हैं। ऐसी जगह बरसात कैसे हो सकती है? वर्षा न होने के लिए भी

Scanned with CamScanner

महाराज, आँधी से इनका मतलब मेरे तेज़ ... रहती हूँ, पर इन्हें जब गरमी लगती है, तो पंखा चलाकर मेरी गति बढ़ा लेते हैं। उसी तरह जहाँ भी हवा कम होती है, मैं तेज़ी से वहाँ जाती हूँ। जब मैं तेज़ी से चलती हूँ, तो रेत, मिट्टी, कूड़ा आदि जो भी हलकी चीज़ें मेरे रास्ते में होती हैं, मेरे साथ उड़ने लगती हैं।

ये लोग अपने घर और दुकान साफ़ करके कूड़ा अपने घर के आसपास, गली में या सड़क पर डाल देते हैं। कई बार गाँव के बाहर कूड़े के ढेर लगा देते हैं। इनका फेंका कूड़ा ही वापस इनके घरों में जाता है, महाराज। लोग अपने गाँव या शहर में पॉलिथीन की थैलियाँ सड़कों पर फेंक देते हैं। वे मेरे साथ उड़कर खेतों में फैल जाती हैं और फसलों को नुकसान पहुँचाती हैं। इससे मेरा मन बड़ा दुखी होता है।

ाज मैंने सबकी बात सुनी है। लोग हवा से दुखी तो हैं, पर कसूर हवा का नहीं है। लोगों को सफ़ाई की आदत अपनानी होगी, तभी हवा दूषित होने से बचेगी। हमें चाहिए कि हम हवा और पानी को अपना दोस्त मानकर उन्हें नुकसान न पहुँचाएँ। इसमें ही हमारा भला और बचाव है।

(लोग हवा-पानी के प्रति दोस्ती का भाव दिखाते हुए चले जाते हैं।)

गोविंद शर्मा